News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-212
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

आप केवल खड़े होकर पानी को घूर कर समुद्र पार नहीं कर सकते। - रविंद्रनाथ टैगोर

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, गुरुवार, 07 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

पूरी रात डर के साए में सोये नहीं लोग

गहरे कुएं से आ रही थी रोने की आवाज, जानिए, क्या हुआ था

बिहार के गया जिले के एक कूंए से रात में अचानक रोने की आवाज सुन पूरी रात डर की साए में गांव वालों की गुजारी। हालांकि सुबह हुई तो लोगों ने हिम्मत जुटाई और कूंए के पास पहुंचे और देखा तो दंग रह गए। देखते-देखते गांव वालों की भीड़ जुट गई। देर रात से उक्त कुएं में सियार गिर गया था। आनन-फानन में ग्रामीणों ने वन विभाग को जानकारी दी। उसके बाद सियार को निकालने में जुट गए। कुएं में सियार देखा तब गांव वालों ने राहत की सांस ली। मिली जानकारी के मुताबिक गया जिले के खिजरसराय थाना क्षेत्र के मकसूदपुर गांव में सियार ने कुछ महीने पहले आतंक मचाया था। उस दौरान सियार की झुंड ने कई ग्रामीणों पर हमला कर घायल कर दिया था।

कुएं से अचानक रोने की आवाज सुनाई दी

इसी क्रम में बुधवार की देर रात नगरियावां गांव के एक कुएं से अचानक रोने की आवाज सुनाई दी। रोने की आवाज सुनकर गांव वाले पूरी रात डर के साए में रहे। हालांकि गुरुवार को लोगों ने हिम्मत जुटाई और कूंए के समीप पहुंचे तो देखा कुएं के अंदर से सियार की रोने की आवाज आ रही है। देखते-देखते ग्रामीणों की भीड़ लग गई। 30 फीट गहरे कुएं में गिरे सियार को देखने के लिए आसपास के गांव के ग्रामीणों की भीड़ लग गई है। लोगों ने बताया कि बुधवार की देर रात कुएं से रोने की आवाज सुनाई दे रही थी। सुबह हिम्मत जुटाई और कुएं के पास पहुंते तो देखा सियार जा गिरा है। उसके बाद ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई है। ग्रामीणों के द्वारा वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई है।

इस संबंध में गांव के शिक्षक आशुतोष कुमार सोलंकी ने बताया कि कुएं से रोने की आ रही आवाज के बाद लोग डर गए । जब कुएं के पास जाकर देखा तो पता चला कि सियार गिरा पड़ा है। सियार डर से कुएं में दुबका है। गांव वालों ने सियार को बहार निकालने के लिए बांस का बल्ला के सहारा लिया, लेकिन वह नहीं निकल सका। शुक्र था कि कुएं में पानी नहीं था वरना सियार की पानी में डूब जाने से मौत हो जाती। कुएं के अंदर नीचे तक जाने के लिए सीढ़ी बना है, लेकिन सियार की आवाज से ग्रामीणों में डर है। जिसके बाद ग्रामीणों के द्वारा वन विभाग को इसकी सूचना दी गई है।

पंचतत्व में विलीन हुईं बिहार कोकिला

विदाई में बजे छठ गीत; राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

बिहार कोकिला शारदा सिन्हा को लोगों ने आज नम आंखों से अंतिम विदाई दी है। पटना के राजेंद्र नगर आवास पर अंतिम दर्शन करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सीएम नीतीश कुमार ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प-चक्र अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गुलबी घाट के लिए अंतिम यात्रा निकल चुकी है। बेटे अंशुमान सिन्हा ने उन्हें कांधा दिया। भाजपा के पूर्व सांसद रामकृपाल यादव और विधायक संजीव चौरसिया ने भी कांधा दिया। अंतिम यात्रा में बिहार कोकिला का गाया आखिरी छठ गीत बजा। गुलबी घाट पर उन्हें राजकीय सम्मान दिया गया है। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। बेटे अंशुमान सिन्हा ने अपनी मां को मुखाग्नि देते वक्त फफक पड़े। इस दौरान सभी की आंखें नम थीं। घाट पर %शारदा सिन्हा अमर रहे% के साथ-साथ छठी मईया के जयकारे भी गूंजते रहे।

गुलबी घाट पर ही दाह संस्कार की अंतिम इ'छा थी

22 सितंबर को लोकगायिका शारदा सिन्हा के पति ब्रज किशोर सिन्हा का निधन हुआ था। उनका अंतिम संस्कार गुलबी घाट पर ही किया गया था। बेटे अंशुमान सिन्हा ने बताया कि पिताजी के जाने के बाद मां का मनोबल पूरी तरह टूट चुका था। उन्होंने एक दिन बात ही बात में कहा कि मुझे भी गुलबी घाट में ही अंतिम विदाई दी जाए। इसलिए मां की अंतिम इ'छा पूरी करने के लिए गुलबी घाट पर ही दाह संस्कार किया जाएगा।

रायपाल ने निधन पर जताया शोक

लोकगायिका शारदा सिन्हा ने निधन पर बिहार भाजपा की ओर से कहा गया कि मां सरस्वती की वरदपुत्री, पद्म श्री, बिहार कोकिला शारदा सिन्हा से बिहार ही नहीं पूरे देश को अपूरणीय क्षति हुई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि उनके जाने से लोक संगीत का एक अध्याय खत्म हो गया। वहीं बिहार के रा'यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर शारदा सिन्हा के निधन पर दुख जताया है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, मंत्री नितिन नवीन, अश्विनी चौबे विनम्र ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीएम नीतीश बोले- अपूरणीय क्षति हुई है

बिहार कोकिला शारदा सिन्हा का अंतिम संस्कार कल होगा। पटना के राजेंद्र नगर स्थित उनके आवास पर उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। तिरंगे में लिपटे पार्थिव शरीर को देखने के लिए उनके फैंस की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी की आंखें नम थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पहुंचे। उन्होंने अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्व. शारदा सिन्हा के छठ महापर्व पर सुरीली आवाज में गाए मधुर गाने बिहार और उत्तर प्रदेश समेत देश के सभी भागों में गूंजा करते हैं। उनके निधन से संगीत के क्षेत्र में ही बल्कि पूरे बिहार को अपूरणीय क्षति हुई है।

मुख्यमंत्री ने स्व. शारदा सिन्हा की आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों, प्रशंसकों एवं अनुयाइयों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

थाना के बाद अब इस पॉश एरिया में लगी भीषण आग

पटना के पॉश एरिया में भीषण आग लग गई। घटना एजी कॉलोनी स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने की है, जहां कबाड़ी की दुकान में आग लग गई। आग लगते ही वहां अफरातफरी का माहौल हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना स्थानीय थाना और अग्निशमन को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंची और आग को बुझाने में जुट गई। आग लगते ही तुरंत बिजली को कटवा दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि करीब सात बजे खरना का प्रसाद खा रहे थे, तभी अचानक बगल के कबाड़ी गोदाम में आग की लपटें उठने लगी। लोगों ने बताया कि आग के दौरान गैस के सिलेंडर भी ब्लास्ट हुए। जब तक फायर ब्रिगेड की टीम आती तब तक पूरे कबाड़ी खाना में आग फैल गई। आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। बिजली भी गुल हो चुकी है। शास्त्रीनगर थाना की पुलिस का कहना है कि बुधवार शाम सात बजे श्रीनगर मोहल्ले एक कबाड़ी गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। आग लगने की सूचना तत्काल अग्निशमन को दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने में जुट गई। पुलिस का कहना है कि आग इतनी विकराल थी कि दमकल की 13 गाड़ियां आग पर काबू पाने के लिए लगी हुई थी।

महापर्व छठ का तीसरा दिन

लाखों छठव्रती देंगी भगवान भास्कर को अर्घ्य; पटना में खास तैयारी

छठ महापर्व का आज तीसरा दिन है। आज डूबते सूर्य को सायंकालीन अर्घ्य दिया जाएगा और इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। छठ पर्व की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन नहाय खाय से होती है। पंचमी को खरना, षष्ठी को डूबते सूर्य को अर्घ्य और उगते सूर्य सप्तमी को अर्घ्य देकर व्रत समाप्त होता है। इस चार दिवसीय त्योहार में सूर्य और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस दिन व्रत करना बहुत कठिन माना जाता है क्योंकि इस व्रत को कठोर नियमों के अनुसार 36 घंटे तक रखा जाता है। आज यानी गुरुवार को पटना में सूर्यास्त का समय सायं 05¬04 बजे होगा। इस दिन भक्त कमर तक पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं।

जानिए, भगवान भास्कर को अर्घ्य देने का फल

सूर्य की पूजा मुख्य रूप से तीन समय विशेष लाभकारी होती है - प्रात: , मध्यान्ह और सायंकाल। प्रात:काल सूर्य की आराधना स्वास्थ्य को बेहतर करती है। मध्यान्ह की आराधना नाम-यश देती है। सायंकाल की आराधना सम्पन्नता प्रदान करती है। अस्ताचलगामी सूर्य अपनी दूसरी पत्नी प्रत्यूषा के साथ रहते हैं, जिनको अर्घ्य देना तुरंत प्रभावशाली होता है। जो लोग अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना करते हैं, उन्हें प्रात:काल की उपासना भी जरूर करनी चाहिए।

100 से अधिक घाट पटना में तैयार

छठ घाट पर जिला प्रशासन की ओर से सारी तैयारी पहले ही पूरी कर ली गई है। पटना में भी छठ के लिए 100 से अधिक घाट तैयार किए गए हैं। राजधानी के 102 गंगा घाटों, 63 तालाबों और 45 पार्कों में महापर्व हो रहा है। इनमें मुख्य रूप से कलेक्ट्रेट घाट, महेंद्रु घाट, दीघा घाट, जेपी सेतु घाट, दीघा पाटलिपुल घाट, मीनार घाट और गाय घाट पर काफी भीड़ उमड़ने वाली है। पटना में दानापुर से दीदारगंज तक 30 किमी हिस्से में गंगा घाटों पर 25 लाख से अधिक श्रद्धालु भगवान सूर्य नारायण को अर्घ्य देंगे। इसकी तैयारी जिला प्रशासन ने पूरी कर ली है। घाटों पर महिला व्रतियों के लिए चेंजिंग रूम, सुरक्षा को लेकर वाच टावर, शौचालय, पीने के पानी, मेडिकल कैंप, भीड़ नियंत्रण के लिए जगह-जगह माइक, नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था की गई है। पार्किंग से गंगा घाटों की दूरी 200 से 500 मीटर है। डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने छठ को लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी छठ घाटों में प्रशासन के अधिकारी, पुलिस टीम और एनडीआरएफ की टीम तैनात की गई है। सभी से अपील है कि हर हाल में प्रशासन के दिशा-निर्देश का पालन करें। संदिग्ध वस्तु दिखने पर तत्काल प्रशासन को सूचना दें। किसी भी हालत में नौका विहार नहीं करें। बैरिकेडिंग को पार नहीं करें। किसी तरह की समस्या होने पर पुलिस-प्रशासन को सूचना दें। राजधानी के 102 गंगा घाटों, 63 तालाबों और 45 पार्कों में महापर्व हो रहा है।

किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें

पटना एसएसपी राजीव मिश्रा ने कहा कि पटना में छठ घाट पर सुरक्षा की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी जगह पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर ली गई है। कंट्रोल रूम भी बनाए गए हैं। सभी घाटों पर वॉच टावर भी लगाए गए हैं। सीसीटीवी से भी निगरानी रखी जा रही है। लोगों से अपील है कि किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी समस्या के लिए पुलिस से संपर्क करें।

छठ पूजा पर इस चीज की रंगदारी नहीं देने पर अधेड़ को मार डाला

पानी फल तोड़ने को लेकर हुआ विवाद

मुंगेर में 55 साल के अधेड़ की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। कारण बस इतना था कि उसने रंगदारी देने से मना कर दिया। दंबगों से कहा कि आप पानी फल सिंघाड़ा मेरे मालिक से मांग लीजिए। इतनी सी बात पर दंबगों ने बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला। घटना नयारामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत भागीचक गांव तालाब के पास हुआ। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। लोगों ने इसकी जानकारी नया रामनगर थाना पुलिस को दी गई।

छठ पूजा को लेकर सिंघाड़ा फल तोड़ रहा था

मृतक की पहचान सहरसा जिले सोनवर्षा कचहरी थाना क्षेत्र के चपरान कोठी गांव निवासी लालू मांझी के रूप में हुई। घटना की जानाकरी मिलने के बाद नयारामनगर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर सदर अस्तपताल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि छठ पूजा को लेकर सिंघाड़ा फल तोड़ने को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद में मजदूर की हत्या की गई। अपराधियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। लोगों का कहना है कि भागीचक ग्राम स्थित शिव शंकर यादव की निजी तलाब में छठ पूजा को लेकर सिंघाड़ा फल तोड़ रहा था।

मजदूर को लाठी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी

रामनगर मोर्चा के कुछ दबंग प्रबृति के लोगों द्वारा मदजूर से रंगदारी की मांग की। मजदूर को लाठी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। ग्रामीण मोहन कुमार ने बताया कि मृतक लालू मांझी पानी फल तोड़ रहा था। एक ग्रामीण युवक आया और और पानी फल सिंघड़ा की मांग की तो मजदूर ने कहा कि मालिक से मांग लीजिये, जिसके बाद युवक गाली गलौज करने लगा। देखते ही देखते अपने सहयोगियों के साथ मिलकर मजदूर पर हमला बोल दिया। लाठी-डंडे से पीट-पीटकर उसे मार डाला। नयारामनगर थाना की पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।